नीमा जी थाके घर नारायण आयो राजस्थानी भजन

मैं सिमरा माके नहीं आवे,
पल में दर्शन पायो,
नीमा जी थाके घर नारायण आयो,
नीमा जी थाकें घर नारायण आयों।bd।

नीमा जी छावे छाण छाबरि,
आकङो काट बा जावे,
जाय आकङा रे चगदो किनो,
जद मन माई पछतायो,
नीमा जी थाकें घर नारायण आयों।bd।

पाग फाङ निमो पाटो बान्दे,
पाटो बांध घर आयो,
थारी लिला थू जाणे,
ऐसों भगत फरमायो,
नीमा जी थाकें घर नारायण आयों।bd।

सोना का महल रूपा का छाजा,
तांबे तार खिंचवा यो,
तार तार में मोती मिलिया,
अब लक्ष्मी को बंद खिंचायो,
नीमा जी थाकें घर नारायण आयों।bd।

अब भाग फाटी होयो उज्यालो,
लोग देखबा आयो,
कई नीमा जी थू कामण गारों,
कई लंका लूट घर लायो,
नीमा जी थाकें घर नारायण आयों।bd।

गढ दिल्ली मे छिपा मोकला,
मारो नीमा जी नाम कहवायो,
थारी गवि ने थही जाणै,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

जद मन माही हंसायो,
नीमा जी थाकें घर नारायण आयों।bd।

मैं सिमरा माके नहीं आवे,
पल में दर्शन पायो,
नीमा जी थाके घर नारायण आयो,
नीमा जी थाकें घर नारायण आयों।bd।

गायक / प्रेषक – भेरू पुरी गोस्वामी सोपुरा।
M 9928006102 Studio 9460950166

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com